अध्याय-5

पद-परिचय

सामान्यतया एक स्वतंत्र शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब 'पद' कहलाता है और वाक्य में उस शब्द की सभी भूमिकाओं का परिचय देना ही 'पद-परिचय' कहलाता है।

परिभाषा–पद–"वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक सार्थक शब्द पद कहलाता है।"

पद-परिचय–"वाक्य में प्रयुक्त शब्द के भेद, उपभेद, लिंग, वचन, कारक आदि के परिचय के साथ ही वाक्य में प्रयुक्त अन्य पदों के साथ उसके सम्बन्ध का भी उल्लेख किया जाता है।"

पद परिचय के अन्तर्गत वाक्य में प्रयुक्त पदों को अलग करके प्रत्येक पद का परिचय दिया जाता है तथा उसकी व्याकरणिक विशेषताएँ और कार्य बताए जाते हैं। प्रकार–

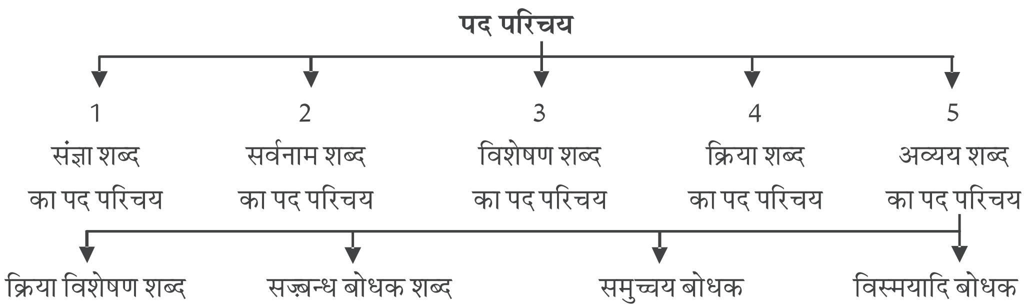

1. संज्ञा शब्द का पद परिचय–संज्ञा शब्द के पद परिचय के लिए संज्ञा का भेद, लिंग, वचन कारक तथा उस शब्द के क्रिया से सम्बन्ध को व्यक्त कया जाता है।

जैसे–राजेश ने रमेश को पुस्तक दी।

राजेश–संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'ने' के साथ कर्त्ता कारक, द्विकर्मक क्रिया 'दी' के साथ।

रमेश–संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

पुस्तक–संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

नेपाल–संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक।

चीन–संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक।

हथियार–संज्ञा, जातिवाचक, पुलिंग, बहुवचन, कर्म कारक।

2. सर्वनाम शब्द का परिचय–सर्वनाम शब्द के पद परिचय के लिए सर्वनाम का भेद, लिंग, वचन, कारक, क्रिया के साथ सम्बन्ध तथा पुरुष पर विचार किया जाएगा। जैसे–

मैं तुम्हारे साथ चलता हूँ।

मैं–सर्वनाम, पुरुषवाचक, पुलिंग, एक वचन, सम्बन्ध कारक।

–यह वही कार है।

यह–सर्वनाम, निश्चयवाचक, अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, सम्बन्ध कारक।

3. विशेषण शब्द का पद परिचय–विशेषण शब्द के पद-परिचय हेतु विशेषण का प्रकार, अवस्था, लिंग, वचन व विशेष्य के साथ उसके सम्बन्ध आदि का वर्णन कया जाता है।

जैसे–हमारे वीर सैनिकों ने सब दुश्मनों का नाश कर दिया।

वीर–विशेषण, गुणवाचक, मूलावस्था, पुल्लिंग, बहुवचन, 'सैनिकों' विशेष्य का गुण व्यक्त करता है।

सब–विशेषण, संख्यावाचक, मूलावस्था, पुल्लिंग, बहुवचन, 'दुश्मनों' विशेष्य की संख्या का बोध कराता है।

–यह सपेरा बहुत चतुर है।

यह–विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन, 'सपेरा' संज्ञा की विशेषता।

चतुर–विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग एक वचन, सपेरा, विशेष्य का विशेषण।

4. क्रिया शब्द का पद परिचय–क्रिया शब्द के पद परिचय में क्रिया का प्रकार, लिंग, वचन, वाच्य, काल तथा वाक्य में प्रयुक्त अन्य शब्दों के साथ सम्बन्ध को बतलाया जाता है।

जैसे–राम ने रावण को मारा।

मारा–क्रिया, सकर्मक, पुलिंग, एकवचन, कर्त्तृवाच्य, भूतकाल।

'मारा' क्रिया का कर्त्ता राम तथा कर्म रावण।

–सवेरे मैं उठा।

उठा–क्रिया, अकर्मक, पुलिंग, एकवचन, कर्त्तृवाच्य, भूतकाल। उठा क्रिया का कर्ता मैं, कर्म अन्वित।

5. अव्यय शब्द का पद परिचय–अव्यय शब्द चूंकि लिंग, वचन, कारक आदि से प्रभावित नहीं होता अत: इनके पद परिचय में केवल अव्यय शब्द के प्रकार, उसकी विशेषता या सम्बन्ध ही बताया जाता है।

(i) क्रिया विशेषण का पद परिचय–भेद तथा क्रिया की जानकारी। जैसे–

–श्याम वहाँ गिरा था।

–वहाँ–क्रिया विशेषण, 'गिरा था' क्रिया का स्थान निर्देश।

–मैं रोज सवेरे प्राणायाम करता हूँ।

रोज–क्रिया विशेषण, काल वाचक, प्राणायाम क्रिया का समय बताकर उसकी विशेषता प्रकट कर रहा है।

(ii) समुच्चय बोधक–भेद तथा जिन दो शब्दों को मिला रहा है उसका उल्लेख होगा। जैसे–

–सीता और गीता बहिनें हैं।

–'और' समानाधिकरण समुच्चय बोधक में संयोजक अव्यय।

(iii) सम्बन्ध बोधक–भेद तथा जिससे सम्बन्ध है उस संज्ञा या सर्वनाम का उल्लेख। जैसे–

–ट्रेन समय से पहले आ गई।

–'से पहले'–कालवाचक सम्बन्ध बोधक अव्यय 'ट्रेन' संज्ञा के समय की विशेषता।

(iv) विस्मयादि बोधक–भेद या भाव का नाम। जैसे–

वाह! कितना सुन्दर है!

वाह!–हर्ष सूचक विस्मयादि बोधक अव्यय।

अभ्यास प्रश्न

प्र. 1. वाक्य मे प्रयुक्त शब्द कहलाते हैं–

(अ) संज्ञा (ब) पद

(स) क्रिया (द) सर्वनाम [ ]

प्र. 2. संज्ञा शब्द के 'पद-परिचय' में क्या नहीं बतलाया जाता?

(अ) लिंग (ब) वचन

(स) काल (द) संज्ञा का प्रकार [ ]

प्र. 3. पद परिचय कितने प्रकार के होते हैं–

(अ) 3 (ब) 2

(स) 4 (द) 5 [ ]

प्र. 4. तेज दौड़ती हुई गाय को उसने पकड़ लिया। पद है–

(अ) क्रिया विशेषण पद (ब) सर्वनाम पद

(स) विशेषण पद (द) क्रिया पद [ ]

उत्तर–1. (ब) 2. (स) 3. (द) 4. (अ)

प्र. 5. संज्ञा पद परिचय में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

प्र. 6. सर्वनाम के पद-परिचय की विशेषताएँ बतलाइये?

प्र. 7. रेखांकित शब्दों का पद परिचय दीजिये–

यह <u>सुन्दर</u> <u>खिलौना</u> <u>मुझे</u> <u>दो</u>।

प्र. 8. अव्यय के पद परिचय भेद सहित विस्तार से लिखिए।

प्र. 9. संज्ञा, सर्वनाम एवं विशेषण के पद-परिचय के दो-दो उदाहरण लिखिए।